Dainik Bhaskar (Indore), 19th November 2023, Page - 05

IIT में सिग्नल प्रोसेसिंग पर वर्कशॉप शुरू

भारत के साथ नाइजीरिया से भी प्रतिभागी शामिल हुए

भास्कर संवाददाता | इंदौर

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के क्षेत्र में उपयोग होने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से उत्पन्न होने वाले सिग्नल को प्रोसेस करने और उसका विश्लेषण करने के विषय पर आईआईटी इंदौर में शनिवार से दो दिनी कार्यशाला शुरू हुई। इसमें भारत की अलग-अलग संस्थाओं के छात्रों, शोधकर्ताओं और शिक्षकों सहित विदेशों से भी छात्रों ने भाग लिया। कुल मिलाकर कार्यक्रम में 51 प्रतिभागी शामिल हुए हैं, जिनमें 5 नाइजीरिया की यूनिवर्सिटी के हैं। संचालन डिपार्टमेंट ऑफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर रामबिलास पचौरी द्वारा किया जा रहा है।

कार्यक्रम का उद्देश्य है एडवांस्ड सिग्नल प्रोसेसिंग तकनीक को लेकर गहरी समझ प्रदान करना, जिससे कि ईसीजी, ईईजी, कार्डियक सिग्नल और अन्य प्रकार के स्वास्थ्य उपकरणों से जुड़े सिग्नल को बेहतर तरीके से विश्लेषित किया जा सके और इसका उपयोग बेहतर स्वास्थ्य सेवा देने के लिए किया जा सके।

कार्यक्रम के माध्यम से

सिग्नल की मॉनिटरिंग के लिए कई उपकरण बनाए

प्रतिभागियों को रियल टाइम बायोमेडिकल सिग्नल रिकॉर्डिंग का प्रैक्टिकल भी दिया जाएगा। व्यक्ति के स्वास्थ्य एवं शरीर से उत्पन्न होने वाले सिग्नल्स की मॉनिटरिंग के लिए कई प्रकार के उपकरण भी बनाए गए हैं। इसके साथ ही एमआरआई मशीन, सीटी स्कैन, एक्स-रे आदि जैसी मशीनों से प्राप्त सिग्नल का भी एआई और मशीन लर्निंग की मदद से विश्लेषण करने पर कार्यशाला के दौरान चर्चा होगी। रविवार को भी कार्यशाला जारी रहेगी।

शिक्षाविद्, शोधकर्ता और छात्रों को बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग के क्षेत्र में आ रहे नए बदलावों के विषय में भी बताया गया। आईआईटी इंदौर के साथ ही आईआईटी पलक्कड़ के प्रोफेसर एम सबरीमाला मणिकंदन, पटना के प्रोफेसर उदित सतीजा, और एनआईटी कालीकट के प्रोफेसर गंगीरेड्डी नरेंद्र कुमार रेड्डी भी विशेष रूप से संबोधित करेंगे।